

शासन उन्हें विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती है और उन्हें मुख्यालय में रहने का भत्ता भी देती है। इसके बावजूद शासकीय कर्मचारी शासन के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी मर्जी से चल रहे हैं। जिससे अनेक कार्यालयों में कर्मचारियों की लेटलतपी से कार्य बाधित हो रहे हैं।



## संपादनकिय...

## गांधी परिवार को राहत

राजधानी दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने 'नेशनल हेराल्ड केस' में आरोप-पत्र का संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। आरोप-पत्र प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दाखिल किया था। सालों की जांच-पड़ताल, साक्ष्यों के संग्रह और आरोपितों से सवाल-जवाब के बाद यह आरोप-पत्र तैयार किया गया था। अदालत का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज किए बिना किसी आरोप-पत्र पर संज्ञान लेना संभव नहीं है, क्योंकि पूरी जांच एक निजी शिकायत के आधार पर की गई है। वह निजी शिकायत 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दर्ज कराई थी। यदि यह तर्क उचित है, तो इतने लंबे सालों तक सरकारी जांच एजेंसियां जांच क्यों करती रहीं? गौरतलब यह है कि 2019 में 'धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002' में यह संशोधन किया गया था कि जांच एजेंसी निजी शिकायत के आधार पर भी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर सकती है, लिहाजा वह अदालत में आरोप-पत्र भी दाखिल कर सकती है। ऐसे संसदीय संशोधन के बावजूद निचली अदालत ने संज्ञान क्यों नहीं लिया? बहरहाल इस सवाल पर ईडी उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है, लेकिन निचली अदालत ने केस के मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की और जांच को जारी रखने के आदेश दिए। बेशक सोनिया-राहुल गांधी के लिए फिलहाल एक बड़ी राहत है, क्योंकि अदालत में आरोप तय नहीं होंगे, तो केस कैसे चलेगा? गांधी द्रुय को सजा भी नहीं दी जा सकती। घोटाले का यह केस किसी भी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाएगा। 'नेशनल हेराल्ड केस' गांधी परिवार और कांग्रेस के लिए बेहद संवेदनशील है, क्योंकि उसे 2000 करोड़ रुपए के घपले के तौर पर चित्रित किया जाता रहा है। सोनिया-राहुल गांधी को अभियुक्त नंबर 1 और 2 बनाया गया है। 2000 करोड़ रुपए का आरोप न तो ईडी का है और न ही किसी अदालत में साबित हुआ है। ईडी ने भी करीब 900 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं और केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इसे 359 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का मामला बताया था। तो फिर 2000 करोड़ रुपए का आंकड़ा कहाँ से उदित हुआ है? 'नेशनल हेराल्ड' अखबार 1938 में जवाहर लाल नेहरू ने शुरू किया था। 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) कंपनी बनाई गई थी, जिसके शेयर नेहरू के अलावा, 5000 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों ने भी खरीदे थे। उसे 'आजादी का मुखपत्र' बनाने की कोशिशें थीं। मौजूदा संदर्भ में एजेएल के तमाम शेयर 'यंग इंडियन लिमिटेड' को हस्तांतरित कर दिए गए थे, जिसके 38-38 फीसदी (कुल 76 फीसदी) शेयर सोनिया-राहुल गांधी के नाम हैं। कंपनी एक्ट की धारा 25 के तहत पंजीकृत यह कंपनी ऐसी है, जिसमें कोई वेतन, लाभांश आदि नहीं लिया जा सकता। एजेएल की तमाम संपत्तियां लीज के तहत हैं, लिहाजा उन्हें बेचा नहीं जा सकता। संपत्तियों से 60 लाख रुपए का किराया दिखाया गया है। वह पैसा कहाँ जाता है, इस पर भी एजेंसी के सवाल हैं। यह मामला 2016 में सर्वोच्च अदालत में भी गया था, लेकिन अदालत ने गंभीर आपराधिक आरोपों के मद्देनजर कोई भी राहत देने से इंकार कर दिया। दिसंबर, 2015 में सोनिया-राहुल गांधी को 'पटियाला हाउस कोर्ट' ने जमानत दी।

## तेवल जागरूक और सतर्क उपभोक्ता ही सुरक्षित- राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस विशेष - 24 दिसंबर 2025

आज के डिजिटल युग में आर्थिक व्यवहार या खरीदारी तो आसान हो गयी, लेकिन उसी मात्रा में धोखाधड़ी, बनावट उत्पाद, मिलावटखोरी और साइबर अपराध भी हद से ज्यादा बढ़ गए। दूसरों पर अंधा भरोसा, दिखावा, भ्रामक विज्ञापन, झूठे वादे पर विश्वास न करके अपने विवेकबुद्धि का इस्तेमाल करें, निति-नियम, कानून का पालन करें, तभी हम जागरूक उपभोक्ता बन पायेंगे। उपभोक्ता पैसे के बदले में किसी वस्तु या सेवा का लाभ प्राप्त करता है, तो उसे कीमत तुल्य सही उत्पाद मिलना चाहिए। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत उत्पाद के बारे में महत्वपूर्ण अधिकार मुख्य रूप से सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चयन का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, शिकायतों के निपटारे का अधिकार और ग्राहक जागरूकता का अधिकार यह छह हैं। इसको विस्तार से जानते हैं, इसमें जान और संपत्ति के लिए खतरनाक उत्पाद और सेवाओं की मार्केटिंग से सुरक्षा। गलत व्यापार के तरीकों से बचाने के लिए सामान, उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, मानक, कीमत के बारे में सूचना पाने का अधिकार। प्रतियोगितात्मक कीमतों पर अलग-अलग तरह के सामान, उत्पाद और सेवाओं तक पहुंच का अधिकार। सही फोरम में उपभोक्ता के हितों पर योग्यतानुसार विचार किए जाने का अधिकार। गलत व्यापार के तरीकों या ग्राहकों के शोषण के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार। एक जानकार उपभोक्ता बनने के लिए जरूरी ज्ञान और कौशल हासिल करने का अधिकार। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 इसके साथ कई खास नियम और कानून भी हैं, जैसे उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और केंद्रीय व राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों को नियंत्रित करने वाले अधिनियम। ये अलग-अलग अधिनियम मिलकर उपभोक्ता को गलत तरीकों, उत्पाद और सेवा में खराबी से सुरक्षा का काम करती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण एक कानूनी संस्था है, जिसे एक्ट के तहत उपभोक्ता अधिकारों को एक क्लास के तौर पर बढ़ावा देने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए बनाया गया है। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग विवाद

सुलझाने के लिए तीन स्तरीय संरचना प्रदान करता है, जिला स्तरीय – 50 लाख रुपये तक, राज्य – 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक और राष्ट्रीय आयोग – 2 करोड़ रुपये से अधिक का विवाद। उत्पाद दायित्व अधिनियम यह उत्पाद की अवधारणा लाता है, जो निर्माता, सेवा प्रदाता और विक्रेता को उनके खराब उत्पाद या खराब सेवा से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार बनाता है। उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष विक्रय) अधिनियम, 2021 ये अधिनियम धोखाधड़ी योजनाओं को रोकने के लिए प्रत्यक्ष विक्रय उद्योग को नियंत्रित करते हैं। उपभोक्ता संरक्षण (मध्यस्थता) विनियम, 2020 उपभोक्ता मध्यस्थता सेल बनाता है और मध्यस्थता के लिए प्रक्रिया बताता है। उपभोक्ता संरक्षण (उपभोक्ता आयोग प्रक्रिया) विनियम, 2020 उपभोक्ता आयोग के लिए प्रक्रिया का विवरण देता है। उपभोक्ता संरक्षण (सामान्य) अधिनियम, 2020 उपभोक्ता संरक्षण के लिए सामान्य प्रावधान देता है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (विशेषज्ञों और पेशेवरों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2021 केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के लिए विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए प्रक्रिया बताता है। खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 खाद्य गुणवत्ता और सुरक्षा को नियंत्रित करता है। कृषि उपज (ग्रेडिंग और अंकन) अधिनियम, 1937 खेती के उत्पाद की श्रेणी को मानकीकृत करता है। भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 सर्टिफिकेशन गुणों के जरिए उत्पाद की गुणवत्ता को पक्का करता है। भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 अनुबंध को नियंत्रित करता है, जो एग्रीमेंट में उपभोक्ता के अधिकारों पर असर डाल सकते हैं। माल बिक्री अधिनियम, 1930 सामान की बिक्री को नियंत्रित करता है देश में उपभोक्ता धोखाधड़ी के आम प्रकार जैसे – किसी व्यक्ति की निजी जानकारी उदाहरण, बैंक अकाउंट या पैन विवरण का धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल करना। स्कैमर ईमेल, एसएमएस या फोन कॉल के जरिए बैंक या दूसरी भरोसेमंद संस्थाओं की नकल करके लोगों से ओटीपी, पासवर्ड या कार्ड विवरण जैसी सेंसिटिव जानकारी

निकलवा लेते हैं। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस और क्रेडिट कार्ड पर बिना इजाजत के लेन-देन बहुत आम हैं। निवेश घोटाला जो असली मुनाफे के बजाय नए निवेशक के पैसे का इस्तेमाल करके ज़्यादा प्रतिफल का वादा करते हैं, इसमें ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस और ऑनलाइन रिटेलर साइट्स पर होने वाले स्कैम शामिल हैं। स्कैमर किसी असली बिज़नेस का दिखावा करके फ़ोन पर आपके पैसे या निजी जानकारी ले लेते हैं। भारत में साइबर हमलों की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई साइबर सिक्योरिटी घटनाओं की संख्या 2022 में 10.29 लाख से बढ़कर 2024 में 22.68 लाख हो गई है, जो 120 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी है। देश में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में भी काफी उछाल आया है, जिसमें धोखाबाज़ डीपफेक और नकली पहचान जैसे एडवांस तरीकों का इस्तेमाल करके बड़ी रकम ऐंठ रहे हैं, खासकर बुजुर्गों से। इसके जवाब में, सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है, और पूरे भारत में सीबीआई को इन मामलों की जाँच करने का अधिकार दिया है और ऑनलाइन बिचौलियों को जाँच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। पिछले आठ महीने में महाराष्ट्र राज्य के 218 डिजिटल अरेस्ट केस में बेगुनाह लोग अपने 112 करोड़ रुपये गवां चुके हैं।आर्थिक वर्ष 2022-23 में डुप्लिकेट उत्पाद की कीमत करीब 8 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें से आधे से ज्यादा हिस्सा वस्त्र एवं परिधान का था, जो 4,03,915 करोड़ रुपये था। भारत में नकल विरोधी पैकेजिंग बाजार 2024 में 5.5 बिलियन रुपये का था, जिसके 2025-2033 के बीच 14.3 बिलियन रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इस साल जनवरी से जून तक छह महीने के समय में, ई-कॉमर्स सेक्टर में नकली, फेक और डुप्लीकेट उत्पाद की बिक्री से जुड़ी 7,221 शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर दर्ज की गईं। 2024 के सरकारी डेटा और रिपोर्ट्स के आधार पर अनुमान बताते हैं कि नकली दवाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान करीब 7.5 बिलियन रुपये हैं। अनुमान है कि भारत में सप्लाई होने वाली सभी दवाओं में से 12-25

प्रतिशत तक नकली हो सकती हैं। उपभोक्ता धोखाधड़ी होने पर तुरंत सहायता प्राप्त करें या शिकायत दर्ज करें। ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (https://cybercrime.gov.in/) पर रिपोर्ट करें। सामान्य उपभोक्ता अपनी शिकायतों के लिए तुरंत राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन वॉबसाइट (https://consumerhelpline.gov.in/public/) का इस्तेमाल करें या टोल-फ्री नंबर 1800-11-4000 या 1915 पर कॉल करके संपर्क करें या 8800001915 नंबर पर एसएमएस करें। डिजिटल तरीके से शिकायत दर्ज करने के लिए उपभोक्ता ऐप या नेशनल पोर्टल ऑफ़ इंडिया का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक धोखाधड़ी होने पर बैंकिंग लोकपाल से शिकायत करें। गंभीर आपराधिक घटना होने पर पास के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करें। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत क्लेम की रकम के आधार पर जिला, राज्य या राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ग्राहकों के हितों के लिए अनेक उपभोक्ता संगठन और स्वयंसेवी संस्थायें भी मार्गदर्शन करती हैं, कुछ मामलों में, सिविल न्यायालय भी मदद पाने का एक विकल्प हो सकता है। अक्सर, झगड़ों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता जैसे तरीके भी मौजूद होते हैं। उपभोक्ताओं की जिम्मेदारियां और जागरूकता ही धोखाधड़ी से बचा सकते हैं। एक नैतिक उपभोक्ता बनें, निष्पक्ष रहें और गलत नीति का प्रयोग न करें। सामान और सेवा का चयन करते समय उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा का ध्यान रखें, उत्पाद या सेवा के बारे में जानकारी इकट्ठा करें और मौजूदा तकनीक में होने वाले बदलावों या नवाचार के बारे में खुद को अद्यावत रखें। उपभोक्ता स्वयम सोचें, अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उत्पाद या सेवा का चुनाव करें। अपनी बात कहें, उत्पाद निर्माता और सरकार को अपनी ज़रूरतें और इच्छाएं दर्शाएं। उत्पाद या सेवा से नाखुशी के बारे में शिकायत करें और दूसरों को भी बताएँ। जागरूक उपभोक्ता बनें, सुरक्षित रहें।

- डॉ. प्रितम भि. गेडाम

## रैली व जनसभा आयोजित कर नशामुक्त का दिया संदेश नशामुक्ति एक सामाजिक क्रांति



गोंदिया-भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा नशामुक्त समाज निर्माण के उद्देश्य को लेकर जनजागरण रैली व सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कई लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. यह रैली नगर के निर्धारित मार्ग से होते हुए लगभग 10 किमी. चली और अनुशासन व सकारात्मक ऊर्जा के साथ नारायण लॉन में पहुंचकर जनसंकल्प सभा में परिवर्तित हुई. इस कार्यक्रम में संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष शक्तिस्वरूपा बहन पूजा शुक्ला तथा केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी विशेष रूप से उपस्थित थे. दोनों पदाधिकारियों ने रैली में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और सदगुरुदेव परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज द्वारा संचालित तीन धाराओं के बारे में बताते हुए नशामुक्त समाज निर्माण के लिए संगठन की दूरदर्शी नीति व आगामी कार्यक्रमों की दिशा स्पष्ट की.पूजा शुक्ला ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे

परिवार और समाज को कमजोर करता है. आज का युवा यदि नशा छोड़कर संस्कारयुक्त जीवन अपनाए तो भारत विश्व में सबसे सशक्त राष्ट्र बन सकता है. अजय अवस्थी ने कहा कि नशामुक्ति केवल आंदोलन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति है जिसे घर-घर तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है. संगठन आने वाले समय में पूरे प्रदेश में व्यापक अभियान चलाएगा.

## नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो का सामूहिक संकल्प

सभा के दौरान सभी उपस्थित नागरिकों ने नशा छोड़ो जीवन जोड़ो का सामूहिक संकल्प लिया और गोंदिया को नशामुक्त जिला बनाने का प्रण किया. अंत में सभी शाखाओं, स्थानीय पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों, युवाओं और महिलाओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया.

## स्वास्थ्य शिविर को मिला अच्छा प्रतिसाद डॉक्टरों ने स्वास्थ्य जांच कर किया मार्गदर्शन

सड़क अर्जुनी-मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत खड़की ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हुआ. जिसमें ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ लेकर अच्छा प्रतिसाद दिया. इस अवसर पर सरपंच शर्मिला चिमनकर, उपसरपंच हेमराज दखने, प्रांप सचिव विद्या कांबले के साथ ही छाया कुलभजे,

प्रमिला कुसराम, पुरुषोत्तम मेश्राम, वनिता गोटे फोडे, सीमा ब्राह्मणकर, दुलेश गोटेफोडे, देवेंद्र मेश्राम, प्रकाश वैरागड़े उपस्थित थे. शिविर में डॉक्टरों और नर्सों ने जांच कर मार्गदर्शन

किया. इस पहल से लोगों में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता आई है और ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की इस अच्छी पहल की सराहना की.

## गोटणगांव में 11 पुरुषों ने किया ऑपरेशन, मनाया गया पुरुष नसबंदी पखवाड़ा

## परिवार नियोजन में पुरुष भी आगे

गोंदिया-परिवार नियोजन कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तथा इस कार्यक्रम में पुरुषों की भागीदारी को अधिक प्रयासशील और मजबूत बनाने के लिए जिले में इस वर्ष पुरुष नसबंदी शल्यक्रिया पखवाड़ा 21 नवंबर से 4 दिसंबर तक मनाया गया. पखवाड़े पर अर्जुनी मोरगांव तहसील के अति दुर्गम और जंगल से घिरे पीएचसी गोटणगांव में परिवार कल्याण नसबंदी शल्यक्रिया शिविर का आयोजन किया गया था. इसमें 11 नसबंदी शल्यक्रियाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई. यह जानकारी चिकित्सा अधिकारी डा. देवेंद्र घरतकर ने दी है. सफल शल्यक्रियाएं सर्जन डा. देवेंद्र घरतकर ने स्वयं की. सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी गौरव टेंभेकर ने



सहायक की भूमिका निभाई. पीएचसी गोटणगांव कार्यक्षेत्र में कुल 11 नसबंदी शल्यक्रियाएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई. इनमें 4 पुरुषों और 7 महिलाओं ने परिवार कल्याण शल्यक्रिया करवाई. अभियान के दौरान जिले में पुरुष नसबंदी शल्यक्रिया शिविर का आयोजन कर लोगों को निःशुल्क सेवा दी जा रही है, और व्यापक प्रचार-

प्रसार किया जा रहा है, ताकि पुरुष नसबंदी शल्यक्रिया की गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय सेवा सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा सके. पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मनाने से पुरुष शल्यक्रिया के प्रति समाज

में जागरूकता बढ़ेगी और पुरुष नसबंदी शल्यक्रिया की संख्या बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी. ऐसा प्रतिपादन जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. अभिजीत गोल्हार ने किया. लोगों को प्रेरित करने में स्वास्थ्य कर्मचारी और आशा सेविकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

## 1,033 गांवों में सर्वे, 3 बालक भी पाए संक्रमित कुष्ठरोग के 162 मरीज सदियध मरीज की जांच 7,433



गोंदिया-राष्ट्रीय कुष्ठरोग निर्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की ओर से गोंदिया जिले में सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है. जिसके तहत जिले में 13,94,114 लोगों के बीच सर्वेक्षण किया गया. जिनमें 162 नए कुष्ठरोग से पीड़ित मरीज पाए गए. जिन्हें स्वास्थ्य प्रशासन की ओर से निःशुल्क उपचार दिया जा रहा है. उल्लेखनीय है कि जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में 13,94,114 लोगों का सर्वेक्षण कर कुल 1,033 गांवों में सर्वेक्षण अभियान चलाया गया. इस वर्ष के अभियान में 3,11,645 मकाओं का सर्वेक्षण के लिए चयन किया गया था. इसके लिए 1,271 टीम व 253 पर्यवेक्षक अभियान के लिए नियुक्त किए गए थे. 2,542 टीम कर्मचारियों ने कुष्ठरोग जांच व जनजागृति करने में अहम योगदान दिया. ऐसी जानकारी सहायक संचालक कुष्ठरोग डॉ. महेंद्र धनविजय ने दी. कुष्ठरोग खोज अभियान कालाविधि में 7,433 सदियध मरीजों की जांच पूर्ण की गई है. जांच के उपरांत निदान हुए 162 कुष्ठ मरीजों को निःशुल्क व घर पहुंच औषधोपचार शुरू किया गया है. इनमें पीबी प्रकार के 99 व एमबी प्रकार के 63 मरीजों का समावेश है. जिसमें 3 बालक भी शामिल हैं. 162 मरीजों में 83 पुरुष व 79 महिलाएं हैं. ऐसी जानकारी कुष्ठरोग विभाग के चिकित्सा अधिकारी डॉ. भाग्यश्री गावडे ने दी.



## मां शाकम्भरी प्रागट्य महोत्सव 2 से शहर में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

गोंदिया-प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मां शाकम्भरी प्रागट्य महोत्सव 2 व 3 जनवरी को मनाया जाएगा। शाकम्भरी परिवार, गोंदिया की ओर से इस महोत्सव की तैयारियां जोरशोर से जारी हैं। इस संबंध में श्री अग्रसेन भवन में विशेष बैठक आयोजित हुई, जिसमें शोभायात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों के नियोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समाजबंधुओं और संगठनों की ओर से शोभायात्रा मार्ग पर पेयजल वितरण डेकोरेशन, पंडाल कार्य, प्रसाद आदि की व्यवस्था के साथ ही रात्रि में मंदिर परिसर में भजन कार्यक्रम, अभिषेक, आरती, जगराता व महाप्रसाद आदि की तैयारियों के साथ चंदा संकलन पर चर्चा की गई। इस बैठक में गिरीश अग्रवाल, पवन



अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अनिल मोदी, मनोज जोशी, सज्जन अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, पंकज शर्मा, पं. आशीष शर्मा, पं. दिलीप मिश्रा सहित अन्य सदस्यगण प्रमुखता से उपस्थित थे।

## तड़ीपार पर अपराध शाखा ने की कार्रवाई आदेश के उल्लंघन पर अरेस्ट

भंडारा-जिले से तड़ीपार किया गया एक अपराधी प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन कर अपने घर पर ही छिपा बैठा था, जिसे पुलिस ने रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी का नाम लाखांदुर पुलिस थाना क्षेत्र के नेहरू वार्ड निवासी आरोपी नरेश श्रीराम प्रधान (38) है। उपविभागीय दंडाधिकारी, साकोली ने नरेश प्रधान को 2 दिसंबर 2025 से दो महीने की अवधि के लिए भंडारा जिले की सीमा से तड़ीपार रहने का आदेश दिया था।

**लाखांदुर में बनाया ठिकाना**  
आरोपी ने आदेश की धज्जियां उड़ते हुए लाखांदुर क्षेत्र में ही अपना ठिकाना बनाए रखा था। भंडारा स्थानीय अपराध शाखा और पवनी



उप-मंडल का दस्ता मंगलवार को लाखांदुर क्षेत्र में गश्त पर था। तड़ीपार घोषित नरेश प्रधान लाखांदुर के नेहरू वार्ड स्थित अपने घर पर ही मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की और आरोपी को उसके घर से पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ लाखांदुर पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच लाखांदुर पुलिस कर रही है

## ताला तोड़कर नकदी समेत गहनों की चोरी

भंडारा-साकोली तहसील के परसोडी में एक बंद घर को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने हजारों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की घटना तब उजागर हुई जब परिवार बाहर से वापस लौटा। फरियादी नरेश पुनागम वधारे (40) अपने परिवार के साथ चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही में एक कार्यक्रम

में गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर ने घर के पिछले दरवाजे का कुंडा तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी में रखे 3 ग्राम सोने के कान के झुमके, 1 ग्राम सोने की जिवती, चांदी की पायल और पर्स में रखे नकद 15 हजार रुपये सहित कुल 36 हजार 500 रुपये के माल की चोरी कर ली।

## सहयोग अस्पताल में कुशल यूरोसर्जन ने का कमाल लेप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी सर्जरी सफल

गोंदिया-सहयोग अस्पताल, गोंदिया ने एक बार फिर अपनी उन्नत सर्जिकल क्षमता और विशेषज्ञता का प्रमाण देते हुए 66 वर्षीय महिला मरीज पर अत्यंत जटिल लेप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की। यह चुनौतीपूर्ण सर्जरी सहयोग अस्पताल के कुशल यूरोसर्जन डॉ. मयूर चौरे द्वारा संपन्न की गई, जिसमें डॉ. शीतल धरमखेडे, डॉ. आशीष नासरे व डॉ. मितेश राठी (एनेस्थेसियोलॉजी टीम) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दो वर्ष पहले मरीज की दायीं ओर ओपन पायलोलिथोटॉमी (Open Pyelolithotomy) सर्जरी एक निजी अस्पताल में हुई थी। ऑपरेशन के बाद



सिलाई स्थल से लगातार रिसाव के कारण मरीज को यूरोसेप्सिस (Urosepsis) हुआ और बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इसके

बाद मरीज को दर्द, सूजन और घाव से निरंतर डिस्चार्ज की समस्या बनी रही। सहयोग अस्पताल में जांच के दौरान पाया गया कि मरीज को दुर्लभ स्थिति हॉर्सशू किडनी (Horseshoe Kidney) में आइएट्रोजेनिक PUJ स्ट्रक्चर, पायलो-क्यूटेनियस फिस्टुला तथा इंसीजूनल हर्निया भी था। पहले ओपन पायलोप्लास्टी के साथ हर्नियोप्लास्टी की सलाह दी गई थी, लेकिन मरीज ने बाद में दूसरे केंद्र में

मेश हर्नियोप्लास्टी करवाई और आगे की पायलोप्लास्टी लिए पुनः सहयोग अस्पताल लौटें।

स्थिति की गंभीरता, मेश की उपस्थिति और विकृत एनाटॉमी को देखते हुए टीम ने जोखिम भरी लेकिन सटीक लेप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी करने का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान गंभीर एडहेशन्स, फिस्टुला, लंबे PUJ स्ट्रक्चर, मेश को सुरक्षित रखना और पोर्ट पोजिशनिंग जैसी कई चुनौतियां थीं। लगभग 5-6 घंटे चली यह सर्जरी बिना किसी intraoperative जटिलता के सफलतापूर्वक पूरी की गई। सर्जरी के बाद मरीज पिछले छह महीनों से पूर्णतः स्वस्थ और संतुष्ट हैं। यह उपलब्धि सहयोग अस्पताल की उत्कृष्ट सर्जिकल टीम की निपुणता,

धैर्य और उच्च तकनीकी दक्षता का प्रमाण है।

### स्वास्थ्य योजनाओं की सुविधाएं उपलब्ध

सहयोग अस्पताल में जटिल से जटिल सर्जरी भी किफायती दरों पर की जाती हैं। साथ ही, अस्पताल में आयुष्मान भारत व महाराष्ट्र की महात्मा ज्योतिबा फुले जनआरोग्य योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता।

सहयोग अस्पताल का सतत प्रयास है कि गोंदिया और आसपास के जिलों के मरीजों को उन्नत, सुरक्षित और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हों।

### कराटे चैम्पियनशिप में हासिल किए 15 पदक पब्लिक स्कूल के छात्रों की सफलता



तिरोड़ा-वर्धा जिले में आयोजित ओपन स्टेट कराटे चैंपियनशिप में पब्लिक स्कूल तिरोड़ा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर तिरोड़ा तहसील का नाम रोशन किया है। इस स्पर्धा में स्कूल के 14 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने कुल 15 पदक जीते। इस स्पर्धा में विद्यार्थियों ने 1 स्वर्ण पदक, 5 सिल्वर पदक व 9 कांस्य पदक जीते। पदक विजेता विद्यार्थियों में प्रियांश विजय नागपुरकर, रत्नाकर राधाकृष्ण शेंडे, श्लोक सतीश मानकर, रविस मनोज बघेले, साई समधान खिरतकर, अक्षद गोपाल पुडके, अंशुल जयेंद्र राऊत, विशाल झगरिया, हिमांशु मनोज येरपुडे का समावेश है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए शाला संचालक रामकृष्ण शेंडे, प्रधानाध्यापक राधाकृष्ण शेंडे, त्रीड़ा शिक्षक चंद्रप्रकाश प्रजापति, सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने बधाई दी।

## सामूहिक श्रमदान से की सफाई वलमाझरी सरपंच की सामाजिक पहल

साकोली-महाराष्ट्र शासन के मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत, हरित और पर्यावरण-अनुकूल आदर्श स्मार्ट समूह ग्राम पंचायत खैरी वलमाझरी की ओर से सरपंच पुरुषोत्तम रूखमोडे की पहल पर तहसील के



वलमाझरी में सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का समापन हनुमान मंदिर परिसर में हुआ। इस पहल के तहत ग्राम विकास, स्वच्छता, परिसर सौंदर्यकरण तथा सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई एवं सुधार जैसे विभिन्न कार्य किए जाने हैं। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों के साथ-साथ ग्राम पंचायत पदाधिकारी एवं कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक, आशा सेविका, आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका, विवादमुक्त समिति के पदाधिकारी, पुलिस पाटिल, आई.सी.आर.पी. स्वयं सहायता समूह, सभी स्वयं सहायता समूह और ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्यरत मजदूरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

### स्वच्छ और समृद्ध गांव का लिया संकल्प

ग्राम प्रशासन ने यह मत व्यक्त किया कि इस पहल के कारण ग्राम स्तर पर जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा और स्वच्छ, सुंदर एवं समृद्ध गांव की संकल्पना को बल मिलेगा। इस अवसर पर सरपंच पुरुषोत्तम रूखमोडे, उपसरपंच सत्यपाल मरसकोल्हे, ग्राम पंचायत अधिकारी नरेश शिवनकर, पुलिस पाटिल शंकर कापगते, साथ ही सभी ग्राम पंचायत सदस्य, विवादमुक्त समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

## मां पर चाकू से हमला आरोपी बेटा गिरफ्तार

भंडारा-मामूली विवाद के चलते एक बेटे ने अपनी ही मां पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। यह वारदात वरठी के हनुमान वार्ड में सामने आई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गोपाल दत्तुजी बान्ते (44) का अपनी मां उषा दत्तुजी बान्ते (64) के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने अपनी मां को जान से मारने और मारपीट करने की धमकी दी। इसके बाद उसने पास रखे एक छोटे चाकू से मां की टुडु पर वार कर उन्हें लहलुहान कर दिया। पीड़िता की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर वरठी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

## मांजा संग्रह करने व विक्री पर प्रतिबंध मकर संक्रांति के मौके पर गोंदिया पुलिस विभाग सतर्क

गोंदिया-मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर खास तौर पर यह त्योहार मनाया जाता है। अब अगर आप या आपके बच्चे संक्रांति पर पतंग उड़ाने जा रहे हैं, तो यह जानकारी आपके लिए जरूरी है। मकर संक्रांति के मौके पर गोंदिया पुलिस ने एक बड़ी फैसला लिया है। अगर बच्चों ने चाइनीज मांजे से पतंग उड़ाई, तो अभिभावक पर कार्रवाई की जाएगी और उन्हें सीधे जेल जाना पड़ेगा। क्योंकि, शहर में चाइनीज मांजे पर बैन होने के बावजूद भी इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है। बैन होने के बावजूद भी कुछ दुकानदार चोरी-छिपे यह मांजा बेच रहे हैं। इस मांजे की वजह से कुछ लोग गंभीर रूप से घायल भी हो चुके हैं। नायलॉन मांजा गर्मी, बारिश या ठंड में खराब नहीं होता। यह पक्षियों के लिए मौत का सामान है। क्योंकि गौरैया के लिए लकड़ियों के मुकाबले मांजे का टुकड़ा उड़ाना आसान होता है, इसलिए गौरैया, कबूतर, कौवे और मैना जैसे पक्षी घोंसले बनाने के लिए मांजे का इस्तेमाल करते हैं। जाल में फंसने के बाद पक्षी मर जाते हैं। इसलिए, पक्षियों के बचाव के लिए मांजे पर बैन लगाना जरूरी है। स्थानीय अपराध



शाखा ने पिछले साल नायलॉन मांजे के खिलाफ कार्रवाई की थी।

### नायलॉन मांजा बनता है दुर्घटनाओं का कारण

नायलॉन मांजा हवा में रहने की वजह से मोटरसाइकिल चलाने वाले की गर्दन में फंस जाता है। इससे एक तरफ जहां गंभीर चोटें लगती हैं, वहीं यह दुर्घटनाओं को भी न्योता देता है। गला कटने, चेहरा बिगड़ने, नाक, कान और गाल पर गंभीर चोटें लगने के साथ-साथ नायलॉन मांजा में फंसकर मोटरसाइकिल वालों के गंभीर दुर्घटना होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता

## 1 शांतिर अपराधियों को किया तड़ीपार

गोंदिया-नए साल के जश्न, आगामी नगर परिषद व नगर पंचायत चुनावों के बीच जिले में शांति व सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए ग्रामीण पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। ग्रामीण थाने की सीमा के अंदर दो अपराधी गिरोह के कुल 9 शांतिर अपराधियों को दो महीने के लिए जिले से तड़ीपार कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद बढ़ते अपराध पर रोक लगाना, अपराधियों के खिलाफ जागरूकता पैदा करना और जनता को कानून-व्यवस्था के बारे में एक कड़ा संदेश देना है। ग्रामीण थाना सीमा के अंतर्गत आने वाले पहले गिरोह के मुखिया बरबसपुरा निवासी इंद्रपाल रूपचंद दमाहे (50) और इसके सदस्य भवरलाल साहेबलाल दमाहे (38), कांतिलाल इंद्रपाल दमाहे (20), मिथुन इंद्रपाल दमाहे (28) और सुदर्शन नेवालाल मछ्रिके (25) हैं। इस गिरोह के खिलाफ 2015 और 2016 में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय दंड

संहिता, पॉक्सो अधिनियम और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम के तहत कुल 15 गंभीर अपराध दर्ज किए गए हैं। उनके खिलाफ पहले भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। जबकि दूसरे गिरोह के खिलाफ निषेध अधिनियम के तहत 16 मामले दर्ज किए गए हैं। दूसरे गिरोह का मुखिया आसोली निवासी देविंद्राबाई वसंत खरोले (60) है और प्रवीण वसंत खरोले (33), प्रदीप उर्फ मोटू शिवन गणवीर (30) और सुदेश ज्ञानिराम गडपायले (50) इसके सदस्य हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के निर्देश पर उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर के मार्गदर्शन में प्रतिबंधक विभाग महिला पुलिस उपनिरीक्षक वनिता सयाकर, पुलिस निरीक्षक सिंगनजुडे, हवलदार सोनटके, राऊत, उपविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय के हवलदार पठान ने की।



## धान किसानों को 20 हजार बोनस, इस्पात कारखाना, 50 हजार आवास विधायक विनोद अग्रवाल ने विधानसभा में की मांग

**बुलंद गोंदिया । ( नागपुर )-** महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने सदन में एक के बाद एक मुद्दे पेश कर ध्यानाकर्षण सूचनाएं दी एवं क्षेत्र की जनता की प्रमुख मांगें सरकार के सामने रखीं. श्री अग्रवाल ने सबसे पहले धान उत्पादक किसानों के लिए प्रति हेक्टर 20 हजार रुपए बोनस देने की मांग की. उन्होंने कहा कि गोंदिया धान का कटोरा है, लेकिन किसानों को लागत भी नहीं मिल पा रही. बेमौसम वर्षा एवं अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई देने हेतु विधायक विनोद अग्रवाल ने सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किए. इसके साथ ही जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए 100 प्रतिशत सरकारी अनुदान पर 'खेत कंपाउंड योजना' शुरू करने का आग्रह किया. विधायक ने गोंदिया जिले में शासकीय कृषि महाविद्यालय और शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय शुरू करने तथा



बेरोजगारी रोकने के लिए गड़चिरोली की तर्ज पर बड़े इस्पात कारखाने लगाने की मांग रखी. उन्होंने कहा, हमारे युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं. स्थानीय स्तर पर ही बड़े उद्योग लगे तो पलायन रुकेगा. शहर की झोपड़पट्टी, जंगल-आबादी और नजूल की जमीन पर रह रहे हजारों परिवारों को पट्टे देने, जिला परिषद स्कूलों में रिक्त शिक्षक पदों पर तुरंत भर्ती करने तथा गोंदिया शहर के कचरे के स्थायी निपटारे के लिए ठोस कदम

उठाने की मांग भी की गई. आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, उमेद कर्मचारी, समग्र शिक्षा अभियान कर्मचारी, सीआरपी भगिनी, कोतवाल समेत सभी आंदोलनरत कर्मचारियों को जायज मांगें तुरंत मानने की अपील करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि ये सभी कर्मचारी समाज की सेवा कर रहे हैं, इनकी मांगों को अनदेखा नहीं किया जा सकता. ओबीसी, आदिवासी और अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पहले से चिह्नित जगहों पर वसतिगृहों का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गोंदिया शहर में 10 हजार और ग्रामीण क्षेत्र में 40 हजार अतिरिक्त मकान स्वीकृत करने की मांग भी सदन में गूंजी.सदन में अपनी बात रखते हुए विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा, ये मांगें कोई नई नहीं हैं. जनता वर्षों से इन्हें उठा रही है। अब समय आ गया है कि सरकार इन्हें प्राथमिकता दे।

### 18,089 मतदाता करेंगे 20 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद चुनाव में करेंगे मतदान

**बुलंद गोंदिया ।** न्यायालय में दायर अपीलों के चलते नगर परिषद एवं नगर पंचायतों के लिए चुनाव आयोग द्वारा संशोधित चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके अनुसार गोंदिया जिले में गोंदिया नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 3 (ब), 11 (ब) एवं 16 (अ) तथा तिरोंड़ा नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 (अ) में शनिवार, दिनांक 20 दिसंबर 2025 को मतदान कराया जाएगा। गोंदिया नगर परिषद के इन तीन वार्डों में पुरुष मतदाता 7,652, महिला मतदाता 8,131 तथा अन्य शून्य, कुल 15,783 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं तिरोंड़ा नगर परिषद के एक वार्ड में पुरुष 1,097, महिला 1,209 तथा अन्य शून्य, कुल 2,306 मतदाता मतदान करेंगे। जिले के इन चारों वार्डों में कुल मिलाकर 18,089 मतदाता शनिवार, 20 दिसंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान का समय प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक रहेगा। सभी संबंधित वार्डों की मतगणना रविवार, दिनांक 21 दिसंबर 2025 को की जाएगी। मतदान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। लोकतंत्र को सशक्त बनाने तथा जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से इस चुनाव में अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की है।



## सोलर और ड्रोन पायलट ट्रेनिंग का आयोजन

**बुलंद गोंदिया ।** महाराष्ट्र रिसर्च, डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग जो महाराष्ट्र सरकार का एक ऑटोनॉमस संगठन है और अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तहत आता है, जिले में युवाओं, महिलाओं और सेल्फ-एम्प्लॉयड उम्मीदवारों के लिए



सोलर एनर्जी (सोलर इंस्टॉलेशन) ट्रेनिंग और ड्रोन पायलट ट्रेनिंग का आयोजन कर रहा है। आज के बदलते टेक्नोलॉजी के दौर में, सोलर एनर्जी और ड्रोन टेक्नोलॉजी की बहुत डिमांड है। संगठन का मकसद इस ट्रेनिंग के ज़रिए हिस्सा लेने वाले ट्रेनी को प्रैक्टिकल काम का अनुभव, टेक्निकल जानकारी के साथ-साथ नौकरी और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के मौके देना है।

ट्रेनिंग की खासियतें- अनुभवी और एक्सपर्ट

ट्रेनर से गाइडेंस, डेमोंस्ट्रेशन के साथ ट्रेनिंग, सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी के मौकों की जानकारी, ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सर्टिफिकेट दिया जाता है। ट्रेनिंग के लिए एलिजिबिलिटी 8वीं पास से ग्रेजुएशन तक है। उम्र सीमा 18 से 55 साल। महिलाओं, युवाओं, स्टूडेंट्स, किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उम्मीद के मुताबिक फायदे- सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट में नौकरी और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट, ड्रोन पायलट के तौर पर करियर के मौके। मॉडर्न टेक्नोलॉजी में स्किल। इस ट्रेनिंग से गोंदिया जिले के युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने में मदद मिलेगी। ज्यादा जानकारी और रजिस्ट्रेशन के लिए, इच्छुक लोग डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (अमृत) कार्तिक तिवारी से मोबाइल नंबर 9112228776 पर संपर्क करें।

### गुजराती शाला में सांस्कृतिक कार्यक्रम का रंगारंग आयोजन रेट्रो थीम ने जीता दर्शकों का दिल



**गोंदिया-**श्री गुजराती राष्ट्रीय केलवणी मंडल द्वारा संचालित गुजराती नेशनल हाइस्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य व रंगारंग आयोजन मुख्य अतिथि प्रोग्रेसिव शाला के संचालक नीरज कटकवार तथा श्रीमती कटकवार की उपस्थिति में हुआ. संस्था पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति में उन्होंने दीप प्रज्वलन कर, मां सरस्वती के तेलचित्र पर माल्यार्पण कर तथा रिबन काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. संस्था सचिव अजय वडेरा के विशेष मार्गदर्शन में इस वर्ष विद्यार्थियों ने रेट्रो थीम पर आधारित गीतों पर बहारदार नृत्य किए. दिलीप कुमार, राज कपूर, शमी कपूर, देव आनंद, राजेश खन्ना, धर्मेन्द्र, अमिताभ बच्चन, नूतन, मधुबाला, हेमा मालिनी, वैजयंतीमाला, रेखा आदि महान कलाकारों के गीतों पर थिरकते हुए विद्यार्थियों ने उस जमाने की यादें जेहन में ताजा कर दी. दर्शकों ने इस आयोजन को अच्छा प्रतिसाद दिया. शालेय हाउस के अनुसार अंताक्षरी प्रतियोगिता हुई. संगीत क्षेत्र के बिपिन शाह, श्वेता मोदी, हिमांशु सोनी निर्णायक के रूप में उपस्थित थे. इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष अमीबेन पटेल, सहसचिव चंद्रेश माधवानी, अवनेश मेहता, उमंग पटेल, विनय पटेल, विपुल पलन, पवित्राबेन पटेल, पूजाबेन शाह, प्राचार्या रिजवाना अहमद, रेणुका जडेजा, पर्यवेक्षक अरविंद पाटिल प्रमुखता से उपस्थित थे. सफलतार्थ संस्था सदस्य, शिक्षकवृंद व कर्मचारियों ने प्रयास किया. संचालन शिक्षिका कल्पना तंबोली व दृष्टि सिंह ने किया.

## कॉलोनीयों में सूअरों के आतंक से लोग परेशान

**गोंदिया-**शहर के अधिकांश इलाकों सहित कॉलोनी क्षेत्रों में इन दिनों नागरिक सूअरों के आतंक से परेशान हैं. सूअरों के कारण लोगों का मोहल्ले में जीना दूभर हो रहा है. इस समस्या से त्रस्त श्रीनगर, माताटोली, गौतमनगर, भीमनगर के नागरिकों ने सूअरों के आतंक से राहत दिलाने की मांग नगर परिषद से की है. सूअर दिनभर गलियों में विचरण करते फिरते हैं. बार-बार भगाने के बावजूद भी सूअर वापस मोहल्ले में आ जाते हैं. उल्लेखनीय है कि शहर में स्थित खाली प्लांटों पर सूअर अपना कब्जा जमा रहे हैं.



बच्चों समेत आम लोग परेशानियों का सामना कर रहे हैं. साफ-सफाई की समस्या से भी निजाद नहीं मिल पा रही है. क्षेत्रवासियों ने बताया कि सूअर दिनभर गलियों में विचरण करते फिरते हैं और गंदगी से बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना रहता है. नागरिकों ने न पप्रशासन से जल्द इस समस्या से राहत दिलाने की मांग की है

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 6,900 केसों का निपटारा

**बुलंद गोंदिया ।** नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, सुप्रीम कोर्ट दिल्ली और महाराष्ट्र स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, हाई कोर्ट मुंबई के गाइडेंस में, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के चेयरमैन और चीफ डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज आर.एन. जोशी और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के सेक्रेटरी एन.के. वाल्के के गाइडेंस में, सालों से कोर्ट में पेंडिंग केस को मीडिएशन और कॉन्सिलिएशन के ज़रिए तुरंत निपटाने के लिए, 13 दिसंबर 2025 को डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, गोंदिया और जिले की सभी तालुका लीगल सर्विसेज कमेटियों के ज़रिए प्री-ज्यूडिशियल और प्री-ज्यूडिशियल केस के साथ-साथ बिजली और बैंक और पब्लिक यूटिलिटी प्री-ज्यूडिशियल केस के निपटारे के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के चेयरमैन और प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज आर.एन. जोशी ने किया। इस मौके पर आर.एन. जोशी ने मौजूद लोगों को लोक अदालत के फायदों और अहमियत के बारे में बताया और एन.के. वाल्के ने ज्यादा से ज्यादा केस निपटाने की अपील की। इस लोक अदालत में रखे गए कोर्ट में पेंडिंग केस में से 1,400 केस समझौते से निपटाए गए, जिनमें से 6 करोड़ 54 लाख 78 हजार 935 रुपये वसूले गए। कोर्ट में फाइल हुए 14,669 केस में से 5,500 केस निपटाए गए, जिनमें से 1 करोड़ 79 लाख, 65 हजार 491 रुपये वसूले गए। इस तरह, फाइल हुए कुल 19,890 केस में से 6,900 केस निपटाए गए और उनसे 8 करोड़ 34 लाख 44 हजार 426 रुपये वसूले गए। इसी तरह, स्पेशल ड्राइव के तहत जिला कोर्ट में कुल 215 क्रिमिनल केस फाइल हुए, जिनमें से 201 केस निपटाए गए। इससे पार्टी और दूसरे लोग मानसिक और आर्थिक परेशानी से बच गए। इससे कई पार्टी ने खुशी जाहिर की। इस लोक अदालत की खास बात यह रही कि महावितरण



के साथ-साथ बिजली, पानी, टेलीफोन, बैंक रिकवरी के जो मामले कोर्ट में फाइल किए गए थे, जिनमें पार्टियों ने समझौते के मुताबिक बकाया की पूरी रकम संबंधित डिपार्टमेंट को जमा कर दी थी, उनका हमेशा के लिए निपटारा कर दिया गया। इससे संबंधित डिपार्टमेंट और बकायादारों को आगे के कानूनी खर्च और मानसिक परेशानी से बचाया गया। खास बात यह रही कि दो जोड़ों ने नई जिंदगी शुरू की। साथ ही, एक्सीडेंट कंपनसेशन अथॉरिटी के 33 पेंडिंग मामलों में इश्योरेंस कंपनियों ने 3 करोड़ 20 लाख 59 हजार रुपये का मुआवजा मंजूर किया, और पीड़ितों को वह रकम दिलाई गई और उनके मामलों को समझौते से आपसी सहमति से सुलझाया गया।

### चलती बाइक पर बाध ने किया हमला

भंडारा, ब्यूरो. पवनी तहसील के मांगली क्षेत्र में एक चौकाने वाली घटना हुई. सड़क पर जा रहे एक तेज रफ्तार बाइक सवार पर अचानक एक बाघ ने हमला कर दिया, लेकिन सौभाग्य से चालक बाल-बाल बच गया. इस घटना से पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल बन गया है. मिली जानकारी के अनुसार, मांगली क्षेत्र से बाइक पर यात्रा करते समय अचानक सड़क किनारे के जंगल से एक बाघ बाहर आया और बाइक सवार की दिशा में झपट्टा मारा. चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत बाइक की गति बढ़ा दी और आगे निकल गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अगर कुछ क्षणों की भी देरी होती, तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी. विशेष रूप से, इसी क्षेत्र में बाघ ने एक चार पहिया वाहन पर भी हमला करने का प्रयास किया था, ऐसी जानकारी सामने आई है. इसके कारण वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों में तीव्र दहशत फैल गई है.

## मारवाड़ी समाज का विधवा, विधुर, दिव्यांग, तलाकशुदा एवं अविवाहित युवक युवती परिचय सम्मेलन, 17 व 18 जनवरी 2026 को गोंदिया में

**बुलंद गोंदिया ।** मारवाड़ी युवा मंच गोंदिया, मारवाड़ी युवा मंच गोंदिया गरिमा के तत्वावधान में श्री अग्रसेन स्मारक समिति के सहयोग से स्वर्गीय गोविंदलाल अग्रवाल की स्मृति में हुकुमचंद अग्रवाल की प्रेरणा से मारवाड़ी सामूहिक विवाह समारोह समिति द्वारा विधवा, विधुर, तलाकशुदा, दिव्यांग एवं अविवाहित युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन गोंदिया में आगामी 17 और 18 जनवरी 2026 को श्री अग्रसेन भवन में आयोजित किया जा रहा है। संपूर्ण भारत में मारवाड़ी समाज का इस तरह का यह पहला अनुष्ठान सम्मेलन होगा। जिसका उद्देश्य समाज के सभी घटक वर्गों को सम्मानजनक मंच प्रदान कर वैवाहिक जीवन हेतु सकारात्मक संवाद एवं सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इसकी तैयारी हेतु एक सभा मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष प्रकाश



शर्मा की अध्यक्षता में उमा मोदी बैडमिंटन एकेडमी संभाग में संपन्न हुई। मारवाड़ी युवा मंच गोंदिया के संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम मोदी, गोंदिया गरिमा की अध्यक्ष लक्ष्मी अग्रवाल, सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष नरेश बंग, स्वागताध्यक्ष छैलाबिहारी अग्रवाल, परिचय सम्मेलन प्रमुख मनोज जोशी, सचिव पदम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मोहन खंडेलवाल की उपस्थिति में, इस सभा में मारवाड़ी युवा मंच के हितेश अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, निखिल सुलोदिया, राजेश शर्मा, नीलम

अग्रवाल, संगीता आर. अग्रवाल, ज्योति सुनील वर्मा, सुषमा मुकेश जलवानिया, सीमा पंकज अग्रवाल, उमा राठी, निधि अग्रवाल, राधा जी अग्रवाल, प्रिया रोमी अग्रवाल, पूजा शर्मा, श्रद्धा वि जोशी, तुलसी जोशी, मधु एम अग्रवाल, वर्षा आर. शर्मा ने सक्रिय सहभाग किया। कोषाध्यक्ष मोहन खंडेलवाल ने गत जून माह में आयोजित प्रथम परिचय सम्मेलन के आयोजन का हिसाब दिया जिसे सभी ने मंजूर किया।

सभा में आगामी परिचय सम्मेलन की रूपरेखा बताई गई व बजट तैयार किया गया। संस्थापक अध्यक्ष पुरुषोत्तम मोदी ने बताया कि यह परिचय सम्मेलन श्री अग्रसेन स्मारक समिति के सहयोग और हुकुमचंद गोविंदलालजी अग्रवाल की प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। सभी सदस्यों ने श्री अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निलेश अग्रवाल व हुकुमचंद अग्रवाल का करतल ध्वनि से धन्यवाद दिया। आभार प्रदर्शन सचिव पदम अग्रवाल ने किया।

### सिंधीटोला-सीतेपार मार्ग में तेंदुए का विचरण जारी ग्रामीणों में दहशत का माहौल, वन विभाग सतर्क

**गोंदिया-**सालेकसा तहसील के साकरीटोला वन परिक्षेत्र में इन दिनों तेंदुए का विचरण देखा जा रहा है. सिंधी टोला -सिते पार मार्ग पर तेंदुए की उपस्थिति से ग्रामीणों में भय देखा जा रहा है. वन विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए निगरानी बढ़ा दी है और नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है. वन विभाग के अनुसार, कुछ दिन पूर्व ही कुलरभट्टी क्षेत्र में तेंदुए के विचरण की सूचना मिली थी. इसके बाद वन विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नवेगांवबांध की वन्यप्राणी रेस्क्यू टीम की सहायता से तेंदुए का सुरक्षित रेस्क्यू कर नागपुर भेजा था. लेकिन अब फिर से साकरीटोला परिक्षेत्र के सिंधीटोला-सीतेपार मार्ग पर तेंदुआ देखे जाने से यह स्पष्ट है कि क्षेत्र में उसका विचरण जारी है. साकरीटोला वन परिक्षेत्र के सहायक जे. जी. खान ने बताया कि वन विभाग तेंदुए की गतिविधि पर लगातार नजर बनाए हुए हैं. उसे सुरक्षित पकड़ने के लिए जल्द ही रेस्क्यू की कार्रवाई की जाएगी. तब तक नागरिकों का सतर्क रहना बेहद आवश्यक है. वन विभाग ने खेतों में काम करने वाले महिला-पुरुषों को अकेले न रहने की हिदायत दी है. वन विभाग लगातार गस्त कर रही है.